आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 19.04.2025 **समय : 1905**

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ईस्टर की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीसस क्राइस्ट का बलिदान क्षमा और त्याग के मूल्यों की शिक्षा देता है।**
- **आज दुनिया भर में तैलीय खाद्य पदार्थों से परहेज करके स्वस्थ जीवनशैली अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए विश्व लिवर दिवस मनाया जा रहा है।**
- **क्यारी की ओर से तिलहन फसलों की खेती की संभावनाओं पर फील्ड डे का आयोजन किया गया।**
- **रैपिड रेटिंग ओपन शतरंज टूर्नामेंट– "अंडमान–निकोबार शतरंज महासंग्राम दो हजार पच्चीस" का आज उद्घाटन किया गया।**

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ईस्टर की पूर्व संध्या पर देश और विदेश में रहने वाले ईसाई समुदाय सहित सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि पवित्र ईस्टर त्यौहार भगवान जीसस क्राइस्ट के पुनर्जीवित होने का प्रतीक है और निस्वार्थ प्रेम और सेवा का संदेश देता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जीसस क्राइस्ट का बलिदान क्षमा और त्याग के मूल्यों की शिक्षा देता है। उनका जीवन मानवता को सत्य, न्याय तथा सद्भावना के लिए प्रेरित करता है। राष्ट्रपति ने प्रत्येक व्यक्ति से जीसस क्राइस्ट के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने तथा समाज में शांति और समृद्धि को प्रोत्साहन देने का अनुरोध किया।

<><><><><><><>

आज दुनिया भर में लिवर की बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को तैलीय और चिकनाई वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करके स्वस्थ जीवनशैली अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए विश्व लिवर दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों में लीवर के रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री अमित शाह ने अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार, पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम पर विशेष बल दिया। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने शरीर के लिए दो घंटे व्यायाम और अपने मस्तिष्क के लिए छह घंटे की नींद समर्पित करें।

उन्होंने कॉरपोरेट क्षेत्र से भी अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पहलों में स्वस्थ लीवर जागरूकता अभियान को शामिल करने की अपील की। इस वर्ष के विश्व लिवर दिवस की थीम 'भोजन ही औषधि है' है। यह थीम लिवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने और संपूर्ण खाद्य पदार्थों से भरपूर संतुलित आहार के माध्यम से लिवर की बीमारियों को रोकने में पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है।

<><><><><><><>

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र, आई4सी ने आज ऑनलाइन बुकिंग धोखाधड़ी को लेकर सार्वजनिक चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने विशेष रूप से ऐसे मामलों को लेकर सचेत किया है, जिनमें देश में धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को निशाना बनाया जा रहा है। मंत्रालय ने लोगों को भुगतान से पहले वेबसाइटों की प्रामाणिकता सत्यापित करने की सलाह दी है। लोगों से गूगल, फेसबुक या व्हाट्सएप पर प्रायोजित या अज्ञात लिंक पर क्लिक करने को लेकर सावधानी बरतने के लिए कहा गया है।

<><><><><><><>

भारत सरकार के आयुष्मान भारत कार्यक्रम के स्वास्थ्य और कल्याण के तहत स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम को शामिल किया गया है। इससे स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियों के माध्यम से निवारक और प्रोत्साहन पहलुओं को मजबूत किया जा सके। 'राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम' का उद्देश्य किशोरों की स्वास्थ्य और विकास संबंधी आवश्यकताओं को समग्र रूप से पूरा करना है। अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के तीनों जिलों में इस कार्यक्रम को शुरू किया गया है। स्कूल स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियाँ मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक सरकारी स्कूलों में कार्यान्वित की जा रही हैं। द्वीपों के एक सौ इक्कीस स्कूलों को कवर किया गया है, जिसमें एक हजार एक सौ पच्चीस स्कूल स्वास्थ्य और देखभाल दूतों को प्रशिक्षित किया गया है। स्कूल स्वास्थ्य एवं आरोग्य कार्यक्रम के संबंध में स्वास्थ्य सचिव की अध्यक्षता में हाल ही में अंतरविभागीय बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव द्वारा विद्यार्थियों, स्कूल स्वास्थ्य एवं आरोग्य संदेशवाहकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान, शिक्षा, और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से अंडमान द्वीपसमूह में तिलहन फसलों की खेती की संभावनाओं के बारे में पता लगाने के लिए ब्लूम्सडेल रिसर्च फार्म में फील्ड डे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दक्षिण अंडमान और निंबूडेरा के कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका लक्ष्य द्वीपों के किसानों के बीच तिलहन की खेती को बढ़ावा देना था, ताकि फसलों में विविधता लाई जा सके और मोनोकल्चर खेती प्रणालियों पर निर्भरता कम हो सके। फील्ड डे में तिल, सूरजमुखी, कुसुम, अरंडी और अलसी सहित विभिन्न तिलहन फसलों का सजीव प्रदर्शन किया गया। किसानों को इन फसलों की खेती के लिए विभिन्न विशेषताओं, जलवायु आवश्यकताओं और सर्वोत्तम तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर क्यारी के निदेशक डॉ. ई.बी. चाकुरकर ने फसल विविधीकरण के महत्व और मोनोकल्चर सिस्टम से जुड़े जोखिमों पर जानकारी दी। उन्होंने क्षेत्र के कृषि परिदृश्य में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए सूखा–सहिष्णु तिलहन फसलों को एकीकृत करने के लाभों पर जोर दिया। फील्ड फसल सुधार और संरक्षण अनुभाग के प्रभारी डॉ. पी. के. सिंह ने चावल की परती भूमि पर तिलहन की खेती की आर्थिक क्षमता पर प्रकाश डाला। डॉ. टी. हर्षगकुमार ने तिलहन फसलों को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए पौध संरक्षण रणनीतियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में तीस से अधिक किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><><>

भारत के पहले उपग्रह आर्यभट्ट ने आज पचास वर्ष पूरे कर लिए हैं। उन्नीस सौ पचहत्तर में आज ही के दिन प्रक्षेपित किए गए इस उपग्रह का नाम प्राचीन भारतीय गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट के नाम पर रखा गया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन – इसरो द्वारा निर्मित इस उपग्रह को सोवियत संघ की सहायता से कपुस्टिन यार से प्रक्षेपित किया गया था। उपग्रह का उद्देश्य सौर भौतिकी, एरोनॉमी और एक्स–रे खगोल विज्ञान सहित कई क्षेत्रों का पता लगाना था। कक्षा में पांच दिन बिताने के बाद, आर्यभट्ट में बिजली की विफलता का अनुभव हुआ, जिसके कारण सभी प्रयोग रोक दिए गए। इसके बावजूद, मूल्यवान डेटा एकत्र किया गया और वैज्ञानिकों को उपग्रह विकास में महत्वपूर्ण अनुभव हासिल हुए। विफलता के बाद भी उपग्रह ने कुछ और दिनों तक सूचना प्रसारित करना जारी रखा। आर्यभट्ट ने अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत के प्रवेश को चिह्नित किया और देश के भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों की नींव रखी। इसके सफल प्रक्षेपण के साथ, भारत कक्षा में उपग्रह भेजने वाला दुनिया का ग्यारहवां देश बना था।

<><><><><><><><>

शिक्षा निदेशालय और खेल एवं युवा मामले विभाग, अंडमान निकोबार शतरंज संघ के सहयोग से, द्वीपसमूह में पहली बार रैपिड रेटिंग ओपन शतरंज टूर्नामेंट– "अंडमान–निकोबार शतरंज महासंग्राम दो हजार पच्चीस" का आयोजन किया जा रहा है। नेताजी स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार मुख्य अतिथि थे। शिक्षा सचिव एल. कुमार ने मुख्य सचिव को स्मृति चिन्ह भेंट की। टूर्नामेंट में कुल दस राउंड खेले जाएंगे। इसमें लगभग छह सौ प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

<><><><><><><><>

दक्षिण अंडमान शैक्षिक अंचल क्षेत्र के अंडर–17 लड़के और लड़कियों तथा अंडर–17 लड़कियों के लिए अंतर स्कूल फुटबॉल नॉक आउट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट तीन स्थानों गर्ल्स स्कूल मैदान, भातूबस्ती मैदान और जंगलीघाट स्कूल मैदान पर आयोजित किए जा रहे हैं। आज कुल बारह मैच खेले गए।

<><><><><><><><>